03 SEP 2011 बिजनेस स्टैंडर्ड, भोपाल

विकास की गाड़ी का मध्य प्रदेश बना खिलाड़ी

शशिकांत त्रिवेदी
भोपाल, 2 सितंबर

विपरीत परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश में बेहतर रही विकास दर

- मध्य प्रदेश में चालू वर्ष के दौरान रिकार्ड 12.37 फीसदी विकास दर दर्ज हुई
- 2004-05 में भाजपा के सत्ता संभालने पर 3 फीसदी थी विकास दर
- राज्य के कई जिलों में सामान्य से 26 फीसदी कम बारिश होने से था सूखा, इसके बावजूद नहीं घटी विकास दर

मध्य प्रदेश ने इस साल रिकार्ड 12.37 फीसदी की विकास दर रिपोर्ट प्रस्तुत की है। जबकि साल 2008-09 में प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण इसकी विकास दर 8.67 फीसदी होने का अनुमान लगाया गया था। प्रदेश में इस साल प्रतिकूल प्राकृतिक स्थितियां रहीं, जिनमें कम बारिश, जोरदार ठंड के चलते उत्पादकता में लगातार कमी दर्ज हुई। इसके बावजूद प्रदेश की बढ़त दिलचस्प है।

हालांकि राज्य सरकार ने निचले स्तर पर अभी आंकड़ों को जारी नहीं किया है। लेकिन राज्य आंकड़ा विभाग के सूत्रों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को यह जानकारी दी कि जब भारतीय जनता पार्टी ने 2004-05 में राज्य की सत्ता संभाली थी, तब यहां की विकास दर महज 3 फीसदी थी। 2009-11 के दौरान विकास दर में राज्य में जारी सूखे के बावजूद दिलचस्प रूप से 9.55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। राज्य सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार 2009-11 के दौरान प्रदेश में सामान्य से 35 फीसदी तक कम बारिश हुई।

इसके अलावा आश्चर्य की बात यह है कि एक बार फिर 2010-11 के दौरान राज्य के विकास दर का आंकड़ा 9 फीसदी रहा। जबकि राज्य के अनेक जिलों में सूखे के हालात हैं, जहां सामान्य से 26 फीसदी कम बारिश हुई। इसके अलावा 2011 के जनवरी माह में उन जिलों में अत्यधिक ठंड का मौसम रहा। प्रदेश के सांख्यिकी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमने तुवर की फसल में 36.1 फीसदी की कमी दर्ज की जबकि इसके रकबे में 48.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। इसी प्रकार चने की फसल में 16.6 फीसदी की कमी देखी गई, जबकि इसके रकबे में 3.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। अलसी के उत्पादन में भी 13.2 फीसदी की कमी हुई, जबकि इसके रकबे में 16.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इसके बावजूद राज्य ने 9 फीसदी विकास दर हासिल की है।

राज्य के कृषि क्षेत्र की बढ़त दर आश्चर्यजनक रुप में प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के बावजूद 2008-09, 2009-10, 2010-11 में क्रमश: 10.2 फीसदी, 10.5 फीसदी और 7.2 फीसदी दर्ज की गई। वहीं औद्योगिक क्षेत्र में क्रमश: 17.3 फीसदी, 7.7 फीसदी और 10.1 फीसदी की बढ़त क्रमश: देखी गई।

राज्य सांख्यिकी विभाग के एक प्रमुख सूत्र ने बताया कि वास्तविकता में आंकड़ा संग्रह करने की प्रणाली राष्ट्रीय औसत के आधार पर है। उदाहरण के लिए राज्य का आंकड़ा विभाग औद्योगिक क्षेत्र की विकास दर को अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार पर गणना करता है।

यही कारण कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया आंकड़ा वास्तविक आंकड़े से अलग हो सकता है। इसी प्रकार से कृषि से संबंधित आंकड़े इकट्ठा करने की प्रणाली अटकलबाजी के आधार पर होती है न कि वास्तविकता में संग्रह किए गए आंकड़ों के आधार पर। कई मामलों में राज्य का आंकड़ा विभाग राष्ट्रीय आंकड़ों के आधार पर औसत आंकड़ा जारी कर देता है।